पंजाब केसरी
TUE,08 SEPTEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 4

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की बड़ी पहल, ई-सीरीज मॉडल पेपर जारी

■ दिव्यांग बच्चों को अन्य विद्यार्थियों के समान ही शैक्षणिक अवसर मिलेंगे

धर्मशाला, 7 सितम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने

दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी परीक्षा की राह को आसान बनाने के लिए बड़ी पहल की है।

बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं के चयनित विषयों के ई-सीरीज आदर्श प्रश्न पत्र तैयार कर अपनी आधिकारिक वैबसाइट पर उपलब्ध करवा दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम को समझने में मदद करना है, ताकि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।

विद्यार्थियों के स्तर और उनकी विशेष जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इन मॉडल पेपर्स में प्राथमिक से लेकर जमा-2 कक्षा तक के विषयों को शामिल किया गया है।

वैबसाइट पर कक्षा 3वीं और 5वीं के लिए गणित व पर्यावरण अध्ययन (ई.वी.एस.) के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान, जबकि 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए इतिहास व भूगोल विषयों के ई-सीरीज मॉडल पेपर अपलोड किए गए हैं।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इसे समावेशी शिक्षा की दिशा में एक बड़ी छलांग बताते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने से उन्हें भी अन्य विद्यार्थियों के समान ही शैक्षणिक अवसर मिलेंगे।

प्री-प्राइमरी के बच्चों के लिए स्कूलों में नियुक्त होंगी 6,297 आया

शिमला, 7 सितम्बर (ब्यूरो): प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी के बच्चों के लिए 6,297 आया नियुक्त की जाएंगी। सरकार ने शिक्षा विभाग को आऊटसोर्स एजैंसियों के तहत उक्त पदों को भरने को कहा है, ताकि केंद्र से आ रहे बजट को जल्द खर्च किया जा सके। समग्र शिक्षा के तहत प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए आया की नियुक्ति आऊटसोर्स आधार पर की जाएगी। आया के पद के लिए संबंधित महिला का 10वीं पास होना अनिवार्य होगा।

साथ ही वह जिस स्कूल में नियुक्त होगी, उसके संबंधित स्थानीय पंचायत अथवा शहरी क्षेत्र की निवासी होना जरूरी होगा। स्थानीय महिला को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी। सूत्रों की मानें तो आया के लिए 6,000 रुपए प्रतिमाह की राशि स्वीकृत है। यह राशि वर्ष में 10 माह के लिए उपलब्ध होगी। केंद्र सरकार ने इस वित्त वर्ष के लिए भी आया भर्ती के लिए बजट जारी किया है।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

विशेष बच्चों की उड़ान को मिलेगी नई दिशा

हिमाचल शिक्षा बोर्ड ने जारी किए 'ई-सीरीज' मॉडल पेपर

कक्षा 3 से 12वीं तक के CWSN विद्यार्थियों की परीक्षा राह हुई आसान, वेबसाइट पर अपलोड हुए आदर्श प्रश्न-पत्र

सवेरा न्यूज/रविंदर वासन

धर्मशाला, 7 सितंबर : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी आसान बनाने के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के चयनित विषयों के 'ई-सीरीज' मॉडल पेपर जारी किए हैं। ये बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मॉडल पेपर विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकताओं और स्तर को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जिससे उन्हें परीक्षा पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम समझने में मदद मिलेगी। कक्षा तीसरी और पांचवीं के लिए गणित व पर्यावरण अध्ययन, आठवीं, नौवीं और दसवीं के लिए गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान तथा 11वीं और 12वीं के लिए इतिहास व भूगोल के मॉडल पेपर अपलोड किए गए हैं।

हर बच्चे को समान अवसर देना बोर्ड की प्राथमिकता : शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने से उन्हें अन्य विद्यार्थियों के समान शैक्षणिक संसाधन और अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इन बच्चों को शिक्षा से जोड़ना सशक्त समाज के निर्माण की नींव है। मॉडल पेपर से विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास का अवसर मिलेगा।

शिक्षकों और अभिभावकों से की खास अपील : बोर्ड अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी स्कूल प्राचार्यों और अध्यापकों से आह्वान किया है कि वे शिक्षण के दौरान इन प्रश्न पत्रों का प्रभावी इस्तेमाल करें। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों के साथ समय बिताएं और इन मॉडल पेपर्स के जरिए उन्हें निरंतर अभ्यास के लिए प्रोत्साहित करें।

यहां से करें डाउनलोड, दे सकते हैं सुझाव : विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के 'डाउनलोड' सेक्शन में 'ई-सीरीज' के तहत मॉडल पेपर प्राप्त कर सकते हैं। प्रश्न-पत्रों के प्रारूप या सामग्री पर सुझाव, आपत्ति अथवा सुधार बोर्ड की शैक्षणिक शाखा की आधिकारिक ई-मेल पर भेजे जा सकते हैं।

Divya Himachal Dt.08-09-26

विशेष बच्चों की उड़ान को नई दिशा

हिमाचल शिक्षा बोर्ड ने जारी किए ई-सीरीज मॉडल पेपर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – धर्मशाला

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों सीडब्ल्यूएसएन को शिक्षा की मुख्यधारा से मजबूती से जोड़ने और उनकी परीक्षा की राह को आसान बनाने के लिए एक शानदार पहल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बोर्ड ने इन विशेष विद्यार्थियों के लिए चयनित विषयों के 'ई-सीरीज' आदर्श प्रश्न पत्र (मॉडल पेपर) तैयार किए हैं। इन्हें बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। अब इन बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम को समझने में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्तमान में वेबसाइट पर

कक्षा तीसरी और पांचवीं के लिए गणित तथा पर्यावरण अध्ययन के प्रश्नपत्र उपलब्ध हैं। वहीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान, जबकि 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए इतिहास व भूगोल जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों के ई-सीरीज मॉडल पेपर अपलोड किए गए हैं। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा का कहना है कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाना यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें भी अन्य विद्यार्थियों के समान ही शैक्षणिक संसाधन और अवसर मिलें।

- कक्षा तीन से 12वीं तक के छात्रों की परीक्षा की राह आसान

ऐसे करें डाउनलोड

विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावक ये आदर्श प्रश्न पत्र हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के डाउनलोड सेक्शन में जाकर 'ई-सीरीज' के अंतर्गत आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी को इन प्रश्न पत्रों के प्रारूप या सामग्री पर कोई सुझाव, आपत्ति या सुधार देना हो, तो वे बोर्ड की शैक्षणिक शाखा की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर अपनी प्रतिक्रिया भेज सकते हैं।

Himachal Dastak Dt.08-09-2026

विशेष बच्चों की उड़ान को मिलेगी नई दिशा बोर्ड ने जारी किए 'ई-सीरीज' मॉडल पेपर

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

▮ तीसरी से 12वीं तक के छात्रों की परीक्षा राह आसान, वेबसाइट पर अपलोड हुए आदर्श प्रश्नपत्र

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों (सीडब्ल्यूएसएन) को शिक्षा की मुख्यधारा से मजबूती से जोड़ने और उनकी परीक्षा की राह को आसान बनाने के लिए एक शानदार पहल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बोर्ड ने इन विशेष विद्यार्थियों के लिए चयनित विषयों के 'ई-सीरीज' आदर्श प्रश्नपत्र (मॉडल पेपर) तैयार किए हैं। इन्हें बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। फ्रंट पेज की इस अहम खबर का लब्बोलुआब यह है कि अब इन बच्चों को बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम को समझने में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। इन कक्षाओं और विषयों को किया गया शामिल बोर्ड द्वारा जारी किए गए इन आदर्श प्रश्नपत्रों को विद्यार्थियों के स्तर और उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वर्तमान में वेबसाइट पर कक्षा तीसरी और पांचवीं के लिए गणित तथा पर्यावरण अध्ययन के प्रश्नपत्र उपलब्ध हैं। वहीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान, जबकि 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए इतिहास व भूगोल जैसे महत्वपूर्ण विषयों के ई-सीरीज मॉडल पेपर अपलोड किए गए हैं। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि इन बच्चों को शिक्षा से जोड़ना केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज के निर्माण की नींव है। इन पेपर्स से विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास का बेहतरीन मौका मिलेगा।

Dainik Jagra Dt.08-09-2026

विशेष बच्चों की उड़ान को जल्द मिलेगी नई दिशा

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी परीक्षा की राह को आसान बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बोर्ड ने इन विद्यार्थियों के लिए चयनित विषयों के 'ई-सीरीज' आदर्श प्रश्न पत्र तैयार किए हैं, जो अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

इन प्रश्न पत्रों से विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न, प्रश्नों के स्तर और पाठ्यक्रम को समझने में कोई परेशानी नहीं होगी, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। ये आदर्श प्रश्न पत्र विद्यार्थियों के स्तर और उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किए हैं। वर्तमान में कक्षा तीसरी और पांचवीं के लिए

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने जारी किए ई-सीरीज माडल पेपर, तीसरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों की परीक्षा राह हो गई थोड़ी आसान

गणित तथा पर्यावरण अध्ययन के प्रश्न पत्र उपलब्ध हैं। वहीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के लिए गणित, विज्ञान व सामाजिक विज्ञान, जबकि 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए इतिहास व भूगोल के ई-सीरीज माडल पेपर अपलोड किए गए हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इसे समावेशी शिक्षा की दिशा में एक बड़ी छलांग बताया है। उन्होंने सभी स्कूल प्राचार्यों और अध्यापकों से इन प्रश्न पत्रों का प्रभावी इस्तेमाल करने का आह्वान किया है। विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इन प्रश्न पत्रों को बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं और सुझाव भी दे सकते हैं।

डाक्टर तिलक राज राणा को किया सम्मानित

संवाद सहयोगी, जागरण ● जयसिंहपुर : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बालकरूपी में डा. तिलक राज राणा के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप निदेशक अजय सम्याल ने डा. राणा को बधाई दी और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानाचार्य राजिंदर कुमार ने कहा कि यह सम्मान डा. राणा के समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है।

कार्यक्रम में डा. तिलक राज के परिवार को भी सम्मानित किया। वक्ताओं ने बताया कि किसी शिक्षक की सफलता में उनके परिवार का सहयोग महत्वपूर्ण होता है। डा. तिलक ने अपने गुरु राजेश राणा का आभार व्यक्त किया और उन्हें टोपी, शाल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उपनिदेशक ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और विज्ञानी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही किसी शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। डा. राणा ने भी विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और असफलताओं से सीखने का संदेश दिया। डा. तिलक राज का शिक्षा के क्षेत्र में 13 वर्ष का अनुभव है। उन्होंने 40 छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और दो विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विजेता का गौरव प्राप्त किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि डा. राणा का पुरस्कार विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि डा. तिलक राज राणा को हाल में ही शिमला में आयोजित समारोह में राज्यस्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है।

Amarujala Dt.08-09-2026

विशेष विद्यार्थियों के लिए ई-सीरीज आदर्श प्रश्न-पत्र तैयार

धर्मशाला। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को अब बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रश्न-पत्र के पैटर्न और प्रश्नों के स्तर को समझने में परेशानी नहीं होगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चयनित विषयों के ई-सीरीज आदर्श प्रश्न-पत्र (मॉडल पेपर) तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

इन मॉडल पेपर से विद्यार्थी परीक्षा से पहले नियमित अभ्यास कर सकेंगे और परीक्षा की तैयारी कर पाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह पहल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को अन्य विद्यार्थियों के समान शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध करवाने की दिशा में की गई है। मॉडल पेपर विद्यार्थियों की विशेष जरूरतों और शैक्षणिक स्तर को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

तीसरी और पांचवीं के लिए गणित और पर्यावरण अध्ययन के प्रश्न-पत्र उपलब्ध हैं। आठवीं, नौवीं और दसवीं के लिए गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान तथा कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए इतिहास और भूगोल के मॉडल पेपर अपलोड किए गए हैं। ब्यूरो

A New Leap for Children: HP Board of School Education Releases 'E-Series' Model Papers; Exam Preparation Made Easier for Students from Classes 3 to 12

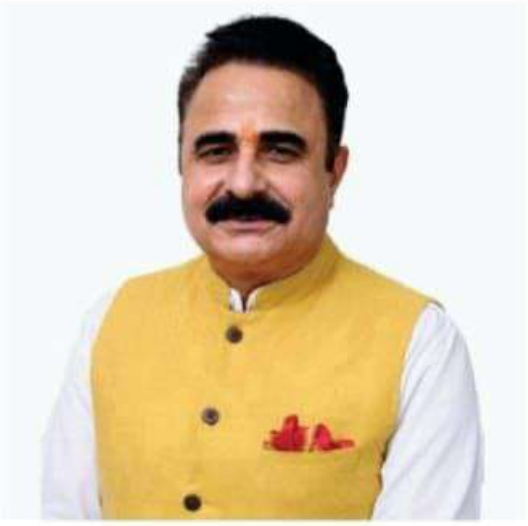

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA SEP 7 : The Himachal Pradesh Board of School Education has launched a commendable initiative to firmly integrate students with special needs into the educational mainstream and simplify their path to examinations. For the 2026-27 academic session, the Board has prepared 'E-Series' model question papers for selected subjects tailored to these special students. These have been made available on the Board's official website. The essence of this significant news is that these children will no longer face difficulties in understanding the board exam patterns, the difficulty level of questions, or the syllabus, enabling them to prepare for their exams with full confidence. These model papers have been designed keeping in mind the students' proficiency levels and their specific needs. Currently, question papers for Mathematics and Environmental Studies (EVS) for classes 3 and 5 are available on the website. Meanwhile, E-Series model papers for subjects such as Mathematics, Science, and Social Science for classes 8, 9, and 10, as well as History and Geography for classes 11 and 12, have been uploaded. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Education Board, described this move as a major stride towards inclusive education. He stated that providing study material to children with special needs via digital mediums ensures they receive the same educational resources and opportunities as other students. Dr. Sharma emphasized that integrating these children into education is not merely an obligation but the foundation for building an empowered society. These papers will offer students an excellent opportunity for regular practice. The Board Chairman urged all school principals and teachers across the state to make effective use of these question papers during instruction. He also appealed to parents to spend time with their children and encourage them to practice consistently using these model papers. Students, teachers, and parents can easily access these model question papers under the 'E-Series' in the 'Downloads' section of the Himachal Pradesh Board of School Education's official website. Furthermore, the Board remains open to suggestions regarding transparency and improvements. Anyone wishing to offer suggestions, raise objections, or propose corrections concerning the format or content of these question papers may send their feedback to the official email address of the Board's academic wing. Received suggestions will be considered and incorporated into future academic activities.

SEPTEMBER 08, 2026 TUESDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HIMACHAL BOARD ROLLS OUT CUSTOM 'E-SERIES' PAPERS FOR SPECIAL NEEDS STUDENTS

Sunny Mahajan | Dharamshala

Board exams just became far less intimidating for Himachal Pradesh's neurodiverse and differently-abled learners. In a decisive push toward genuinely inclusive schooling, the Himachal Pradesh Board of School Education has released tailored 'E-Series' model question papers designed specifically for Children with Special Needs from Class 3 through Class 12 for the 2026–27 academic session.

By stripping away one-size-fits-all exam ambiguity, the new framework demystifies question patterns and syllabus expectations, handing students the clarity they need to walk into testing halls with confidence. The board has carefully calibrated the difficulty and format across key subjects, offering foundational Math and Environmental Studies for Classes 3 and 5, followed by core Math, Science, and Social Science papers for Classes 8, 9, and 10. For senior secondary students tackling Classes 11 and 12, the rollout targets high-reading-load humanities subjects, specifically History and Geography.

Board Chairman Dr. Rajesh Sharma underscored that equal academic opportunity cannot remain a token slogan, stressing that equipping special-needs students with dedicated digital study resources is fundamental to building an equitable society. Sharma urged school principals and teachers to actively integrate these blueprints into everyday classroom instruction, while calling on parents to partner at home with structured practice runs.

The complete collection is now live on the official HPBoSE portal under the website's 'Download' tab. In a rare collaborative nod to continuous improvement, the board has kept the feedback loop wide open, inviting teachers, guardians, and specialists to email suggestions or critiques straight to its academic wing to refine upcoming editions.